AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

परीक्षार्थियों को भायी बहुविकल्पीय सवाल आधारित परीक्षा

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विवि में सोमवार को वार्षिक परीक्षा की शुरुआत हुई। अंतिम वर्ष के परीक्षार्थियों को पहली बार परीक्षा में बहुविकल्पीय सवाल आधारित पेपर हल करने का मौका मिला। पेपर में विद्यार्थियों को पहले के मुकाबले दोगुने विकल्प मिले। इससे विद्यार्थी काफी खुश दिखे। परीक्षा में पहले दिन करीब 86 फीसदी विद्यार्थियों ने परीक्षा दी। पहली पाली में 1827 विद्यार्थी पंजीकृत थे, जिसमें से 1575 ने परीक्षा दी। दूसरी पाली में 999 परीक्षार्थी पंजीकृत थे। पहली पाली में बीए और दूसरी में बीएससी के विद्यार्थियों की परीक्षा थी।

परीक्षार्थियों के अनुसार पेपर काफी आसान रहा। विवि में पहली पाली में बीए और बीए ऑनर्स में अंग्रेजी का पेपर हुआ। बीए अंतिम वर्ष में दो विषय होते हैं। अंतिम वर्ष में दोनों विषय के तीन-तीन प्रश्नपत्र होते हैं। नए नियम में इन तीनों प्रश्नपत्र की परीक्षा एक ही पाली में हुई। प्रश्नपत्र में तीन भाग थे तथा सभी में 50-50 सवाल थे। परीक्षार्थियों को हर भाग से 25 सवाल करने थे। परीक्षार्थियों ने पेपर में पूछे गए सवालों को काफी आसान बताया। दूसरी पाली में बीएससी अंतिम वर्ष की जूलॉजी की परीक्षा हुई। बीएससी अंतिम वर्ष में तीन-तीन प्रश्नपत्र और एक प्रयोगात्मक परीक्षा होती है। सोमवार को हुई तीनों प्रश्नपत्र की परीक्षा एक साथ एक ही पाली में कराई गई। इस प्रश्नपत्र में तीन भाग थे तथा सभी में 50-50 सवाल थे। 3-3 नंबर के हर सवाल में परीक्षार्थियों को हर भाग से 25-25 सवाल हल करने थे। परीक्षा के लिए 120 मिनट का समय था। विद्यार्थियों ने पेपर को बेहद आसान बताया। उनके अनुसार विकल्प न भी मिलते तब भी काफी आसानी होती।

लखनऊ विवि में शुरू हुई अंतिम वर्ष की परीक्षाएं

ऐसा न करें...: लविवि की सोमवार से शुरू हुई परीक्षा में कुछ छात्रों ने न सोशल डिस्टेंसिंग का पालन किया और न ही मास्क लगाया। छात्र एक-दूसरे के कंधे पर हाथ डालकर चलते दिखे, वहीं कुछ मास्क को गले में लटकाए घूमते मिले। ऐसी लापरवाही भारी पड़ सकती है। उधर, करामत डिग्री कॉलेज में थर्मल स्क्रीनिंग के बाद ही प्रवेश दिया गया।

बीएससी ऑनर्स की पढ़ाई कराने वाला पहला संस्थान बनेगा लविवि

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय राजधानी में बीएससी ऑनर्स की पढ़ाई कराने वाला पहला संस्थान बनने जा रहा है। विवि अगले सत्र से स्नातक के सभी पाठ्यक्रम सेमेस्टर प्रणाली के साथ ही ऑनर्स आधार पर ही संचालित करेगा।

कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि नई शिक्षा नीति के हिसाब से वे स्नातक पाठ्यक्रम में बदलाव करने जा रहे हैं। योजना तैयार की गई है कि स्नातक स्तर पर सिर्फ ऑनर्स पाठ्यक्रम ही संचालित किए जाएंगे। इसका फायदा विद्यार्थियों को मिलेगा। ऑनर्स पाठ्यक्रम होने की वजह से विद्यार्थी को उस विषय का ज्यादा विस्तृत और समग्र ज्ञान मिलेगा। कुलपति ने यह भी बताया कि ये पाठ्यक्रम रेगुलर मोड पर ही संचालित होंगे।

सिविल सेवा और उच्च शिक्षा में मिलेगी मदद : ऑनर्स पाठ्यक्रम का फायदा वैसे तो सभी विद्यार्थियों को मिलता है पर सिविल सेवा और उच्चतर शिक्षा में जाने वाले विद्यार्थियों के लिए यह विशेष उपयोगी है। विश्वविद्यालय ने सिविल सेवा में जाने वाले विद्यार्थियों के लिए लाइब्रेरी में अलग सेक्शन भी स्थापित किया है।

■ विवि कायम रखेगा अपनी विशिष्टता

विश्वविद्यालय ऑनर्स पाठ्यक्रम संचालित करके अपनी विशिष्टता भी कायम रखेगा। इसी कड़ी में अगले सत्र से हरदोई, लखीमपुर, रायबरेली और सीतापुर के कॉलेज भी जुड़ जाएंगे। लविवि से सहयुक्त होने पर इनमें भी सेमेस्टर प्रणाली शुरू हो जाएंगे। विवि अपने यहां ऑनर्स पाठ्यक्रम ही संचालित करेगा। इस तरह से विवि कालेजों के मुकाबले अपनी विशिष्टता कायम रख पाएगा। इस समय प्रदेश में सिर्फ लखनऊ विश्वविद्यालय में ही सेमेस्टर प्रणाली लागू है अन्य विवि में वार्षिक प्रणाली ही चल रही है।

> ऑनर्स पाठ्यक्रम के माध्यम से हम विद्यार्थियों को विशिष्ट ज्ञान दे पाएंगे। इसकी पढ़ाई के लिए उन्हें दूसरे शहर नहीं जाना होगा। लविवि ने स्नातक के सभी पाठ्यक्रम ऑनर्स आधार पर संचालित करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। ये पाठ्यक्रम स्व वित्तपोषित के बजाय रेगुलर मोड पर ही संचालित होंगे। इससे इनकी फीस भी कम रहेगी। - प्रो. आलोक कुमार राय, कुलपति लविवि

NBT PAGE 6

चेहरे पर मास्क, हाथ में सैनिटाइजर... चल पड़े एग्जाम देने

परीक्षा का समय

एलयू : पुख्ता इंतजाम के बीच में फाइनल इयर की परीक्षा शुरू, 97% से अधिक हुए शामिल

■ एनबीटी, लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय की परीक्षा सोमवार को शांत महौल में शुरू हुई। विवि प्रशासन ने कोविड-19 से वचाव के पुख्ता इंतजाम करवा और स्टूडेंट्स भी काफी सचेत दिखे। पहले दिन सुवह की पाली में 97.2 प्रतिशत और दोपहर की पाली में 98.4 प्रतिशत स्टूडेंट्स ने परीक्षा दी। हालांकि पहले ही दिन न्यू ब्लॉक में परीक्षा दे रहे स्टूडेंट्स ने आन्सर शीट को लेकर हंगामा किया। वहीं एनएसयूआई के छात्र नेताओं के वालंटियर तौर पर स्टूडेंट्स की मदद करने को लेकर ववाल भी हुआ। प्रॉक्टोरियल वोर्ड के अधिकारियों कहासुनी के वाद उन्हें परिसर से वाहर निकाला।

थमा दी गलत आंसर शीट : परीक्षा के पहले ही दिन ही न्यू ब्लॉक में ऑन्सर शीट को लेकर हंगामा हुआ। स्टूडेंट्स के अनुसार सौ नंवर का पेपर होने के वावजूद 150 नंवर वाली आन्सर शीट दे दी गई थी। करीव वीस मिनट तक हंगामे के वाद कक्ष निरीक्षक ने परीक्षा नियंत्रक को जानकारी दी। इसके वाद सही आन्सर शीट दी गई।

एक घंटा पहले बुलाया, जांच के बाद प्रवेश : एलयू व अन्य कॉलेजों में सुरक्षा की दृष्टी से पुख्ता इंतजाम किए गए थे। स्टूडेंट्स को एक घंटा पहले वुलाया गया था। थर्मल स्क्रीनिंग व सैनिटाइजेशन के वाद परीक्षा कक्ष में भेजा गया। इसके लिए अलग से कर्मचारी तैनात थे जो सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करवाने के साथ ही रोल नंवर के आधार पर परीक्षा कक्ष में भेजते रहे।

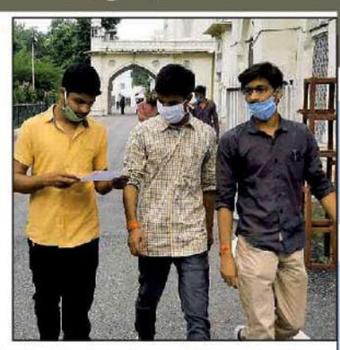

प्रवेश से पहले परीक्षार्थियों की थर्मल स्क्रीनिंग की गई।

एनएसयूआई के छात्र नेताओं को पड़ी फटकार

एलयू में सुवह की पाली में परीक्षा से पहले गेट नंवर एक पर एनएसयूआई के कुछ छात्र नेता मास्क व सैनिटाइजर की वोतल लेकर पहुंचे। परिसर के अंदर घुसने से रोके जाने पर कहासुनी भी हुई। हालांकि प्रॉक्टर प्रो. दिनेश कुमार ने अनुमति देने से इनकार कर दिया।

कॉलेजों में भी दिखे पुख्ता इंतजाम

एलयू से सम्बद्ध 50 कॉलेजों में भी फाइल इयर की परीक्षाएं हुईं। सभी जगह कोविड-19 प्रोटोकॉल का सख्ती से पालन हुआ।

नहीं दिया गया पेपर

एलयू इस बार एमसीक्यू प्रणाली से परीक्षा करवा रहा है। ऐसे में तीन पेपर को मर्ज करके एक एक पेपर करवाया गया। स्टूडेंट्स को आन्सर शीट की प्रति तो दी गई लेकिन प्रश्न प्रत्र नहीं दिया गया।

इतने शामिल हुए

पहली पाली

1620 : स्टूडेंट्स ने भरा था फॉर्म
1575 : परीक्षा में हुए शामिल
97.2% रही उपस्थिति

दूसरी पाली

1183 : स्टूडेंट्स ने भरा था फॉर्म
1161 : परीक्षा में हुए शामिल
98.4% रही उपस्थिति

एक साथ तीन पेपर से थी टेंशन, नहीं हुई दिक्कत

पेपर काफी आसान आया था। एक साथ तीन पेपर होने से काफी टेंशन थी, लेकिन पेपर आसान होने से कोई दिक्कत नहीं हुई। पेपर को देखते हुए दो घंटे का समय काफी है। परिवार के साथ ही मुझे भी कोरोना के खतरे को देखते हुए डर लग रहा था, लेकिन परिसर में अच्छा इंतजाम था।

- निखर, बीए थर्ड इयर

कोरोना को देखते हुए काफी अच्छे इंतजाम थे। दो बार थर्मल स्कैनिंग और सैनिटाइजेशन के बाद प्रवेश दिया गया। पेपर हर साल के मुकाबले काफी सरल आया था। इसके अलावा जिन स्टूडेंट्स के मास्क किसी कारण से गिर गए थे या नहीं लाए थे, उन्हें मास्क भी उपलब्ध करवाए गए।

- विवेक पांडेय, बीए थर्ड इयर

पेपर थोड़ा लंबा जरूर था लेकिन पिछले पेपरों की तुलना में आसान लगा। पेपर में फिल इन द ब्लैंक जैसे प्रश्न करने में काफी आसानी हुई। एक बुक का नाम लिख दिया और उसके राइटर का नाम पूछा। इसी प्रकार एक पोयम के बारे में बताकर राइटर का नाम पूछा। ऐसे में कोई दिक्कत नहीं हुई।

- शिवांगी सिंह, बीए थर्ड इयर

कोविड-19 को देखते हुए इंतजाम अच्छे थे, लेकिन एक दिन में तीन पेपर करना काफी मुश्किल लगा क्योंकि रिवीजन नहीं हो पाता है। पेपर ज्यादा कठिन नहीं था। समय भी पर्याप्त था। हालांकि नया पैटर्न होने के कारण थोड़ी बहुत दिक्कत हुई। फिर भी पेपर अच्छा हुआ।

- शिखा, बीए थर्ड इयर

TOI PAGE 3

Easy papers, Covid norms reduce stress levels at LU

TIMES NEWS NETWORK

Lucknow: Easy question papers and strictly followed Covid-19 norms reduced stress levels of final year students of Lucknow University and affiliated colleges during the examination that began on Monday.

On the first day of the examination of BA (English) and BSc (Zoology), the attendance was 86.3%. As many as 3,169 examinees were registered for the examination, of which 1,575 (86.2%) wrote the test. In the first shift BA (English) examination, as many as 1,575 (86.2%) of 1,827 students wrote the paper.

In the second shift of BSc (Zoology) examination, 1,161 (86.5%) students of 1,342 were present.

The students shared that the paper was simple and easy to attempt in comparison to the theoretical examination. "The questions were very easy. Unlike the theory paper in which we have to write answers in a comprehensive manner, the one-word answers were easy to attempt," said an LU BA student Jyotsna.

Another student, Arushi Singh of Isabella Thoburn College said, "So much of choice given in the paper was of great help as of 100 questions we had to attempt only 50."

Another student, Anvita from IT College said, "We were stressed about writing the examination in pandemic time but proper social distancing, thermal scanning and sanitization was followed in our college which reduced our stress levels."

Even the BSc paper was easy. "There were no complex questions. Even questions asked from tough portions like DNA processing and gene regulation, chromatin organization were easy," said LU BSc (Zoology) student Divya Chaturvedi.

V Sunil

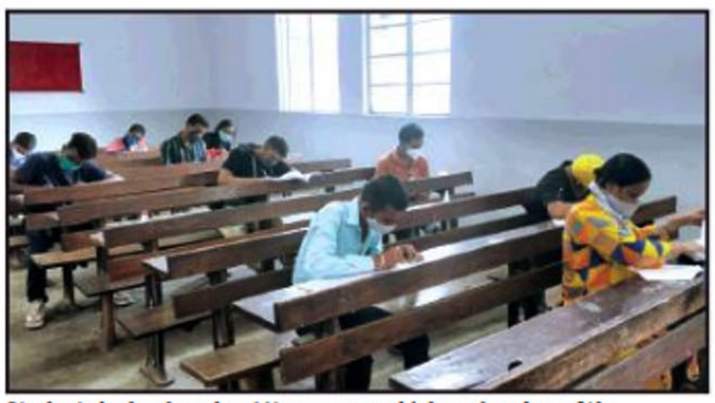

Students look relaxed on LU campus and (above) a view of the examination room in Lucknow University on the first day

RASHTRIYA SAHARA PAGE 5

लविवि की वार्षिक परीक्षाएं शुरू

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के अंतिम सेमेस्टर व अंतिम वर्ष के छात्रों की वार्षिक परीक्षाएं सोमवार को शुरू हो गयीं। पहले दिन कई जगहों पर छात्र काफी कम दिखे। देर शाम एलयू के परीक्षा नियंत्रक प्रो. ए.एम. सक्सेना ने वताया कि पहली पाली की परीक्षा में कुल छात्रों की संख्या 1,620 थी, जवकि उपस्थित छात्रों की संख्या 1,575 रही। इस हिसाव से सुवह कुल 97.2 प्रतिशत छात्र उपस्थित रहे। वहीं दूसरी पाली की परीक्षा दोपहर दो वजे से अपराह्न चार के वीच हुई। इसमें कुल 1,183 छात्रों को भाग लेना था, जवकि उपस्थित छात्रों की संख्या 1,161 ऐसे में शाम की पाली में उपस्थिति का कुल प्रतिशत 98.4 रहा।